वर्तमान भारतीय राजनीति में गाँधीजी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता:

गाँधीजी के राज्य संबंधी विचारों को समझना आज के भारतीय राजनीति के संदर्भ में बहुत महत्वपूर्ण है। उनके सिद्धांतों ने न केवल भारत के स्वतंत्रता संग्राम को दिशा दी, बल्कि आज भी वे हमारे समाज और राजनीति के लिए प्रासंगिक हैं।

गाँधीजी के राज्य संबंधी मुख्य सिद्धांत:

- अहिंसा: गाँधीजी का मानना था कि राज्य को अहिंसा के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। वे हिंसा को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करते थे, चाहे वह शारीरिक हो या मानसिक। उनका मानना था कि अहिंसा के माध्यम से ही समाज में प्रेम और सद्भाव स्थापित किया जा सकता है।
- स्वराज: गाँधीजी ने स्वराज की अवधारणा को महत्वपूर्ण माना। उनके अनुसार, स्वराज का अर्थ केवल राजनीतिक स्वतंत्रता नहीं, बल्कि व्यक्तिगत और सामाजिक स्वतंत्रता भी है। वे एक ऐसे समाज की स्थापना करना चाहते थे, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अपने विचारों को व्यक्त करने और अपने जीवन को अपने तरीके से जीने के लिए स्वतंत्र हो।
- ग्राम स्वराज: गाँधीजी ने ग्राम स्वराज की अवधारणा को बढ़ावा दिया। वे गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना चाहते थे। उनका मानना था कि गांवों के विकास से ही देश का विकास हो सकता है।
- न्याय: गाँधीजी ने न्याय को राज्य का एक महत्वपूर्ण आधार माना। वे एक ऐसे समाज की स्थापना करना चाहते थे, जिसमें सभी के साथ समान व्यवहार हो और किसी के साथ कोई भेदभाव न हो।
- नैतिकता: गाँधीजी ने राजनीति में नैतिकता को महत्वपूर्ण माना। वे एक ऐसे राज्य की स्थापना करना चाहते थे, जिसमें नेता और नागरिक दोनों ही नैतिक मूल्यों का पालन करें।

वर्तमान भारतीय राजनीति में गाँधीजी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता:

आज के भारतीय राजनीति में गाँधीजी के सिद्धांतों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है।

- अहिंसा: आज भी हमारे समाज में हिंसा और तनाव व्याप्त है। गाँधीजी के अहिंसा के सिद्धांत को अपनाकर हम समाज में शांति और सद्भाव स्थापित कर सकते हैं।
- स्वराज: आज भी कई लोग अपने विचारों को व्यक्त करने और अपने जीवन को अपने तरीके से जीने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं। गाँधीजी के स्वराज के सिद्धांत को अपनाकर हम सभी के लिए स्वतंत्रता सुनिश्चित कर सकते हैं।
- ग्राम स्वराज: आज भी गांवों में विकास की कमी है। गाँधीजी के ग्राम स्वराज के सिद्धांत को अपनाकर हम गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकते हैं।
- न्याय: आज भी समाज में कई तरह के भेदभाव व्याप्त हैं। गाँधीजी के न्याय के सिद्धांत को अपनाकर हम सभी के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित कर सकते हैं।
- नैतिकता: आज राजनीति में नैतिकता का ह्रास हो रहा है। गाँधीजी के नैतिकता के सिद्धांत को अपनाकर हम राजनीति को स्वच्छ और पारदर्शी बना सकते हैं।

निष्कर्ष:

गाँधीजी के राज्य संबंधी सिद्धांत आज भी हमारे समाज और राजनीति के लिए प्रासंगिक हैं। उनके सिद्धांतों को अपनाकर हम एक ऐसे समाज की स्थापना कर सकते हैं, जो अहिंसक, स्वतंत्र, न्यायपूर्ण और नैतिक हो।